भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: *81
05 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

राजस्थान में कुपोषण की दर

***81. श्री भजन लाल जाटवः**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा राजस्थान के करौली और धौलपुर जिलों में कुपोषण की दर को कम करने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं कार्यान्वित की गई हैं; और
(ख) राष्ट्रीय दर की तुलना में उक्त जिलों में कुपोषण की दर का तुलनात्मक ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (ख): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

05 दिसंबर, 2025 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 81 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): देश भर में कुपोषण की समस्या का समाधान करने के लिए भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं के नाम निम्नानुसार हैं:

1. **पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी)** 5 वर्ष से कम आयु के मध्यम गंभीर कुपोषण (एमएएम) और अति गंभीर कुपोषण (एसएएम) वाले चिकित्सकीय समस्या से पीड़ित बच्चों को चिकित्सा और पोषण संबंधी परिचर्या प्रदान करते हैं।
2. **एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी)** को छह लाभार्थी समूहों - बच्चों (6-59 माह), बच्चों (5-9 वर्ष), किशोरों (10-19 वर्ष), प्रजनन आयु की महिलाओं (15-49 वर्ष), गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के बीच एनीमिया की व्यापकता को कम करने के लिए कार्यान्वित किया गया है।
3. **माताओं का पूर्ण स्नेह (एमएए)** स्तनपान की प्रारंभिक शुरुआत करने में सुधार लाने और पहले छह माह तक केवल स्तनपान कराने और उसके बाद आयु-उपयुक्त पूरक आहार प्रथाओं को लागू करने के लिए कार्यान्वित किया गया है।
4. नवजात गहन परिचर्या इकाइयों और विशेष नवजात परिचर्या इकाइयों में भर्ती होने वाले बीमार, समय पूर्व जन्मे, कम वजन वाले शिशुओं को स्तनपान कराने के लिए मां के अपने दूध या सुरक्षित, पाश्चुरीकृत दाता मानव दूध की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए **दुग्धपान प्रबंधन केंद्र** स्थापित किए गए हैं।
5. **राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी)** के अंतर्गत, सभी बच्चों (1-19 वर्ष) में कृमि संक्रमण को कम करने के लिए स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से एक निश्चित दिवस पर एल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई जाती हैं।
6. **विटामिन ए अनुपूरण कार्यक्रम** में, 6-59 माह की आयु के सभी बच्चों को ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण दिवसों के दौरान या अभियान चला कर दो चरणों में हर 6 माह पर विटामिन ए की खुराक दी जाती है।
7. **घर में नवजात शिशु परिचर्या (एचबीएनसी) और घर में छोटे बच्चों की परिचर्या (एचबीवाईसी) कार्यक्रम** के अंतर्गत, बच्चों में पोषण संबंधी क्रियाकलाप को बढ़ावा देने, बीमार बच्चों की पहचान करने और उन्हें स्वास्थ्य सुविधा केंद्र के लिए रेफर करने के लिए आशाकर्मी घर-घर दौरा करती हैं।
8. **मासिक ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण दिवस (वीएचएसएनडी)** मातृ एवं शिशु परिचर्या सेवाओं के प्रावधान और पोषण संबंधी जन जागरूकता के लिए एक आउटरीच गतिविधि है।

9. **मिशन पोषण 2.0 के तहत, पूरक पोषण कार्यक्रम** द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों (6 माह से - 6 वर्ष की आयु), गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों को पोषण मानदंडों के अनुसार पोषण संबंधी सहायता प्रदान की जाती है जो गुणवत्तापूर्ण प्रोटीन, स्वस्थकर वसा और सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करते हैं।
10. राजस्थान से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अतिरिक्त दूध पाउडर सहित **"दूधयुक्त बलाहार प्रीमिक्स"** 6 माह से 6 साल तक के कुपोषित बच्चों में कुपोषण की समस्या का समाधान करता है। **मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना** के अंतर्गत, सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर 3-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सप्ताह में पाँच दिन गर्म मीठा दूध उपलब्ध कराया जाता है। **अम्मा (गंभीर कुपोषण का प्रबंधन एवं कार्रवाई) कार्यक्रम** के अंतर्गत, गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों का प्रबंधन चिकित्सीय जटिलताओं के आधार पर किया जाता है।

(ख): राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (2019-21) के अनुसार, करौली और धौलपुर जिलों सहित देश भर में 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में कुपोषण की व्यापकता निम्नानुसार है:

सं क्र	**संकेतक**	**भारत**	**करौली**	**धौलपुर**
1	**5 वर्ष से कम आयु के नाटे बच्चे (%)**	35.5	37.6	45.7
2	**5 वर्ष से कम आयु के कम वजन वाले बच्चे (%)**	32.1	37.3	31.3
3	**5 वर्ष से कम आयु के कमजोर बच्चे (%)**	19.3	26.6	13.7

******